ई.ई.सी. - 06

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बीडीपी)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2015 और जनवरी 2016 सत्रों हेतु)

पाठ्यक्रम कोड - ई.ई.सी. - 06
पाठ्यक्रम शीर्षक - आर्थिक विकास का स्वरूपः
एक तुलनात्मक अध्ययन

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

ई.ई.सी. – 06
पाठ्यक्रम शीर्षक - आर्थिक विकास का स्वरूपः एक तुलनात्मक अध्ययन
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)
2015–16

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोडः ई.ई.सी.-06

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.) की कार्यक्रम दर्शिका में वर्णित है, आपको अर्थशास्त्र ई.ई.सी.-06 में इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना होगा। यह अध्यापक जॉच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है और इसके 100 अंक हैं।

यह जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में ही दें। टी.एम.ए. की रूपरेखा ऐसी है ताकि इस आधार पर आपको विभिन्न श्रेणियों के प्रश्नों के उत्तर देने के योग्य बनाया जा सकें। इस संबंध में मूल्यांकन करते समय सुव्यवस्थित, सटीक एवं सुसंगत ढंग से उत्तर प्रस्तुत करने की आपकी योग्यता को ध्यान में रखा जाएगा। सत्रीय कार्य तीन भागों में विभाजित है। स्मरण रहें कि सभी प्रश्नों को करना अनिवार्य है। भाग क में 20–20 अंक के दो दीर्घ उत्तर प्रश्न सम्मिलित हैं। भाग ख में 12–12 अंक के चार प्रश्न सम्मिलित हैं जबकि भाग ग में आपको 6–6 अंक के दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

जमा कराना

सत्रांत परीक्षा में योग्य विद्यार्थी के रूप में नज़र आने के लिए आपको पूरे किए गए सत्रीय कार्य को **अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक** के पास **जुलाई 2015** सत्र के लिए **31 मार्च, 2016** और **जनवरी 2016** सत्र के लिए **30 सितम्बर, 2016** तक जमा कराना होगा।

ई.ई.सी.-06
पाठ्यक्रम शीर्षक - आर्थिक विकास का स्वरूपः एक तुलनात्मक अध्ययन
टी.एम.ए.

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : ई.ई.सी.-06
सत्रीय कार्य कोड : ई.ई.सी.-06/सत्रीय कार्य/टीएमए/2015–16
अधिकतम अंक : 100

क. दीर्घ उत्तर प्रश्न

(प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए) **20 X 2=40**

1. 18वीं एवं 19वीं सदी में कृषि उत्पादकता वृद्धि के लिए कौन से कदम उठाए गए ? कृषि का प्रथम औद्योगिक क्रांति में क्या योगदान था ?

2. अपने उन्नीस देशों के संदर्श (sample) के आधार पर कुजनेट जनसंख्या, प्रति–व्यक्ति आय तथा कुल उत्पादन की संवृद्धि दरों के विषय में किस निष्कर्ष पर पहुँचा ? आधुनिक आर्थिक युग में आर्थिक संवृद्धि के साथ–साथ जनसंख्या क्यों नहीं बढ़ी ?

ख. मध्यम उत्तर प्रश्न **12 X 4=48**

(प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए)

3. प्रथम महायुद्ध के बाद विश्व अर्थव्यवस्था में ब्रिटेन के अपेक्षाकृत ह्रास के क्या कारण थे ?

4. 1872 में शुद्ध उत्पादन मूल्य का पूंजीकरण कैसे किया गया ? भू–मूल्यांकन का उचित सैद्धांतिक आधार क्या होगा ?

5. रूसी सरकार ने उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए ? रूस में विषमता व विसंगतिपूर्ण औद्योगिक विकास की प्रमुख विलक्षणताएं क्या थीं ?

6. आयोजन विवाद का विवरण दीजिए। योजना बनाने की प्रक्रिया का ब्यौरा दीजिए।

ग. लघु उत्तर प्रश्न **6 X 2=12**

(प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए)

7. रोस्ताव तथा गेर्शनक्रोन की विकास चरण की अवधारणाएं किस प्रकार मौलिक रूप से भिन्न हैं ?

8. निम्नालिखित की व्याख्या करें :

   क) आयोजन बनाम बाजार
   ख) अतिरेक मूल्य
   ग) संतुलित और असंतुलित विकास
   घ) दैतवाद के मुख्य तत्व
   ड़) दशाओं का मार्क्स का सिद्धांत